पौणाहारी ने बचाया मेरी बांह फड़

अध् विचकार गोते पेया खावा,
लभे न किनारा मैं ता डुब्दा ही जावा,
पौणाहारी नू ध्याया उसे था खड़के,
मेरे दाते ने बचया मेरी बांह फड़ के,

लभे न किनारा मैं ता डुब्दा ही जावा,
पौणाहारी तेरे वाजो कीहनु मैन धयावा,
मेरी सुन ली पुकार आ गये ता करके,
पौणाहारी ने बचाया मेरी बांह फड़ के

अखा मोरे मेरे सी हनेरा जेहा छा गया,
डरन दी लोड नहीं जोगी समजा गया ,
पेंदी बचया दी भीड़ आउंदे ता करके,
पौणाहारी ने बचाया मेरी बांह फड़ के

डुबदे नु बस पौणाहारी दा सहारा,
बाहो फड़ कद लिया वेखिया नजारा,
मैनु सीने नाल लाया उता ता करके,
पौणाहारी ने बचाया मेरी बांह फड़ के

बाबा जी बकाया आज मौजा मान दा,
सनी सुमन नैंसी ते नवी दर आवदा,
मेरा गौंडा परिवार ता करके,
पौणाहारी ने बचाया मेरी बांह फड़ के

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/8421/title/paunahari-ne-bachaya-meri-baah-fad-ke

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |